e-ISSN No. 3107/6564

भाग 01 अंक 02 / जुलाई 2025

e-ISSN No. 3107/6564

NATIONAL AGRICULTURAL STUDENTS ORGANIZATION

हिंदी मासिक

कृषि पत्रिका

(कृषि छात्रों, किसानों एवं कृषि वैज्ञानिक हेतु समर्पित)

Contact to us - E-mail: editorinchief@naso.org.in / website: www.naso.org.in

e-ISSN No. 3107/6564

डॉ. भाष्कर दुबे
मुख्य संपादक
ediotorinchief@naso.org.in

डॉ अनुराग रजनीकांत तायडे
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कीट विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ. अमित कुमार
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि अर्थशास्त्र विभाग, SHUATS, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

अनुग्रह साक्षी
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निखिल तिवारी श्रीदत्त
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

शशांक सिंह
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - शस्य विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रकाशक –

डॉ. भाष्कर दुबे

पत्रिका का प्रकार - हिंदी, मासिक, कृषि पत्रिका

पंजीकृत पता - अतरौरा मीरपुर, सोनपुरा, प्रतापगढ़ (उ.प्र.) 230124

कार्यालय - गंगोत्री नगर, SHUATS कृषि विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211007

Website – www.naso.org.in

E-mail – editorinchief@naso.org.in

Contact – 9936902749 / 7068708058

e-ISSN No. 3107/6564

भारत में बागवानी का महत्व एवं क्षेत्रवार उत्पादन

विशाल पाल, कुमारी नेहा सिन्हा, मिथिलेश कुमार वर्मा
पीएचडी स्कॉलर- बागवानी विभाग (सब्ज़ी विज्ञान) SHUATS, प्रयागराज, यू.पी
Email: ***visahalpal706@gmail.com***

परिचय

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ विविध जलवायु एवं भौगोलिक परिस्थितियाँ अनेक प्रकार की **बागवानी फसलों** (Horticultural Crops) के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं। बागवानी में फल, सब्ज़ियाँ, फूल, मसाले, औषधीय एवं सुगंधित पौधे आदि शामिल हैं। इन फसलों का उत्पादन न केवल पोषण और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह किसानों की **आयवृद्धि, रोजगार सृजन और निर्यात** में भी अहम भूमिका निभाता है।

भारत में बागवानी का महत्व

1. **आर्थिक महत्व:**

- बागवानी फसलों का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान लगभग **30% से अधिक (कृषि GDP का)** है।
- बागवानी उत्पादों के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जन होता है।

2. **पोषणीय महत्व:**

- फल और सब्ज़ियाँ विटामिन, खनिज, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट का मुख्य स्रोत हैं।
- ये कुपोषण एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने में सहायक हैं।

3. **पर्यावरणीय महत्व:**

- बागवानी फसलें मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती हैं और जल उपयोग दक्षता बढ़ाती हैं।
- वृक्ष आधारित बागवानी जैव विविधता संरक्षण में योगदान देती है।

4. **रोजगार एवं सामाजिक योगदान:**

- बागवानी क्षेत्र में प्रति हेक्टेयर **कृषि फसलों की तुलना में अधिक रोजगार** उपलब्ध होता है।
- ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी अधिक होती है, जिससे सशक्तिकरण होता है।

भारत में बागवानी का क्षेत्रवार उत्पादन (2023–24 के अनुमान अनुसार)

क्षेत्र/फसल	प्रमुख राज्य	वार्षिक उत्पादन (लाख टन में अनुमानित)	प्रमुख विशेषताएँ
फल	महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु	लगभग **1070–1100 लाख टन**	आम, केला, अमरूद, संतरा, सेब प्रमुख फल
सब्ज़ियाँ	उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा	लगभग **2100–2200 लाख टन**	आलू, प्याज, टमाटर, बैंगन, गोभी प्रमुख
फूल	पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र	लगभग **30 लाख टन**	गेंदा, गुलाब, चमेली, ग्लैडियोलस प्रमुख
मसाले	राजस्थान, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश	लगभग **110 लाख टन**	हल्दी, अदरक, मिर्च, धनिया, जीरा प्रमुख
औषधीय एवं सुगंधित	उत्तराखंड, हिमाचल,	लगभग **10–12 लाख टन**	तुलसी, अश्वगंधा,

e-ISSN No. 3107/6564

पौधे	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़		सर्पगंधा, मेंथा प्रमुख

(स्रोत: राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड एवं कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के नवीनतम आँकड़े)

प्रमुख बागवानी राज्य

- **आंध्र प्रदेश:** फलों में अग्रणी (मुख्यतः केला, आम, पपीता)।
- **उत्तर प्रदेश:** सब्ज़ी उत्पादन में अग्रणी।
- **महाराष्ट्र:** अंगूर, संतरा और प्याज के लिए प्रसिद्ध।
- **केरल:** मसालों का प्रमुख उत्पादक।
- **हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर:** सेब उत्पादन के लिए प्रसिद्ध।

सरकार की प्रमुख योजनाएँ

1. राष्ट्रीय बागवानी मिशन (NHM)
2. मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (MIDH)
3. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)
4. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)
5. फूड प्रोसेसिंग मिशन **— मूल्य संवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देने हेतु।**